

IUJ releases prospectus for MBA and MCom courses for
Working Professionals June 27,2016

 **the pioneer**

RANCHI | TUESDAY | JUNE 28, 2016

INBRIEF

ICFAI UNIVERSITY RELEASES PROSPECTUS

ICFAI University, Jharkhand on Monday released prospectus for the 2 year MBA and M.Com programs for working Professionals for 2016 academic year. Addressing the students, Professor ORS Rao, Vice-Chancellor of the University said, "Several working people including business men are inclined towards pursuing post graduation, without leaving their current jobs. Our programs are designed to suit their convenience, without compromising on quality, as classes for them will be held in the evening."



प्रभात खबर

लाइफ@रांची रांची, मंगलवार 28.06.2016 23

एमबीए व एमकॉम का प्रोस्पेक्टस जारी

रांची. इकफाइ विवि द्वारा काम कर रहे पेशेवरों के लिए शैक्षणिक सत्र 2016 का एमबीए व एमकॉम कोर्स में नामांकन के लिए प्रोस्पेक्टस जारी किया गया. विवि के कुलपति प्रो ओएस राव ने कहा कि कोई भी पेशेवर लोग बिना नौकरी या व्यापार छोड़े ही डिग्री प्राप्त कर सकते हैं. अपनी स्नातकोत्तर योग्यता बढ़ा सकते हैं. कुलसचिव डॉ बीएम सिंह ने बताया कि दो बैच के बाद अब तीसरे बैच के लिए नामांकन शुरू किया गया है. इस अवसर पर डीन डॉ एससी स्वेन आदि मौजूद थे.



इक्फाई विवि में सिलेबस लांच

रांची | इक्फाई यूनिवर्सिटी में सोमवार को एमबीए और एमकॉम का सिलेबस व प्रॉस्पेक्टस लांच किया गया। कुलपति प्रो. ओएस राव ने कहा कि यह कोर्स जैसे पेशेवर के लिए शुरू किया गया है, जो उच्च शिक्षा में डिग्री हासिल करना चाहते हैं। रजिस्ट्रार डॉ. बीएम सिंह ने कहा कि पेशेवर एमबीए का पहला बैच पास आउट हो चुका है, यह दूसरा बैच फाइनल इयर में है।

मंगलवार, 28 जून 2016

हिन्दुस्तान

20

कामकाजी लोगों के लिए एमबीए-एमकॉम

रांची। कामकाज के चक्कर में कई बार लोगों की पढ़ाई बीच में छूट जाती है या फिर कुछ नए कोर्स या डिग्री हासिल नहीं कर पाते हैं। ऐसे लोगों के लिए इक्फाई विवि में दो कोर्स चलाए जा रहे हैं। यह एमबीए और एमकॉम है। मंगलवार को इसके पाठ्यक्रम को जारी किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि कक्षाएं शाम को चलेंगी। लोग इसमें शामिल होने के बाद अपने काम की गुणवत्ता को बढ़ा सकते हैं। कॉमर्स वाले लोग अपनी बैंकिंग क्षमता, वित्तीय स्थिति



इक्फाई विवि में एमबीए और एमकॉम का पाठ्यक्रम जारी करते वीसी व अन्य। पर नजर, शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर किया जा सकता है। रजिस्ट्रार डॉ बीएम सिंह ने कहा कि दो बैच निकल चुका है। तीसरे बैच की कक्षाएं शुरू होने जा रही हैं। मौके पर डॉ एससी स्वेन सहित कई अन्य मौजूद रहे।





इक्फाई ने प्रॉस्पेक्टस जारी किया

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड द्वारा कार्यरत पेशेवरों के दाखिले के लिए शैक्षणिक सत्र 2016 के एमबीए व एमकॉम कोर्सों का प्रॉस्पेक्टस जारी कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि पेशेवरों के लिए इन कोर्सों की कक्षाएं शाम में आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर कुलसचिव डा. बीएम सिंह, सहायक डीन डॉ एससी स्वेन इत्यादि ने अपने विचार व्यक्त किये।

आज

इक्फाई विवि में एमबीए पाठ्यक्रम का प्रॉस्पेक्टस जारी

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय द्वारा काम कर रहे पेशेवरों के लिए शैक्षणिक सत्र 2016 का एमबीए एवं एमकॉम पाठ्यक्रम का नामांकन प्रॉस्पेक्टस जारी किया गया। इस मौके पर विवि के कुलपति प्रो.आरएस.राव ने कहा कि एक बड़ी कार्यरत पेशेवर अपनी मौजूदा नौकरी या व्यापार को छोड़े बिना अपनी स्नातकोत्तर योग्यता को बढ़ाना चाहते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए यह पाठ्यक्रम अपनी गुणवत्ता पर कोई समझौता किए बिना इन लोगों के लिए बनाई गई है। जिससे कक्षा में शाम को आयोजित किया जाएगा। प्रो.राव ने कहा क इस एमबीए पेशेवरों को अपनी प्रबंधन कैरियर को फास्ट ट्रैक करेगा जबकि एमकॉम पेशेवरों को बैंकिंग, वित्त टीचिंग आदि क्षेत्र में कैरियर बनाने में सहायक होगा। मौके पर विवि के कुलसचिव डा.बीएम सिंह ने बताया कि कार्यरत पेशेवरों का एमबीए पाठ्यक्रम का पहला बैच पास हो गया है एवं दूसरा बैच अगले कुछ महीनों में पास हो जाएगा। विवि के अस्सिस्टेंट डीन डा.एससी स्वेन ने इन दोनों पाठ्यक्रम की शिक्षण पद्धति के बारे में बताया कि यह शिक्षण पद्धति रेगुलर छात्रों के पाठ्यक्रम से अलग बनाया गया है क्योंकि इससे छात्र कर रहे होते हैं। पाठ्यक्रम का अध्ययन सामग्री वेबसाइट पर ऑनलाइन होगा एवं कक्षाओं में केश स्टडी को बढ़वा दिया जाएगा।